WORKSHOP BROCHURE

IMPLEMENTATION OF NEP-2020

IN UG PROGRAMMES IN THE AFFILIATED COLLEGES AND INSTITUTES OF KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA

16th JUNE, 2023

Organised by

KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA

(Established by the State Legislature Act XII of 1956)

(A+ Grade, NAAC Accredited)

Vision

To be globally acknowledged as a distinguished centre of academic excellence.

Mission

To prepare a class of proficient scholars and professionals with ingrained human values and commitment to expand the frontiers of knowledge for the advancement of society.

सत्यमेव जयते

माननीय राज्यपाल, हरियाणा
एवं
कुलाधिपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

संदेश

यह गर्व की बात है कि हरियाणा राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 का क्रियान्वयन करके पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सत्र 2022–2023 से विश्वविद्यालय कैम्पस के सभी यूजी एवं इंटिग्रेटिड प्रोगाम्स में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो चुकी है। सत्र 2023–2024 से पाठ्यक्रम आधारित क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सभी सम्बन्धित कॉलेजों और संस्थानों में यूजी एवं इंटिग्रेटिड प्रोग्राम्स में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करके युवाओं को उनके भविष्य के लिए नए अवसर प्रदान करने का कार्य करेगा।

एनईपी 2020 का लक्ष्य एक कुशल शिक्षा प्रणाली बनाना है, जिसमें सभी शिक्षार्थियों की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक समान पहुँच हो। इसका उद्देश्य एक नई प्रणाली का निर्माण करना है जो भारत की परंपराओं और मूल्य प्रणालियों पर निर्माण करते हुए 21वीं सदी की शिक्षा के आकांक्षात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखित हो। इस शिक्षा नीति में नैतिक मूल्यों, नेतृत्व, कर्म, कर्तव्य, जिम्मेवारी, प्रगति आदि विषयों का समावेश किया गया है जो भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इस सफल प्रयास व राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के क्रियान्वयन हेतु तैयार विस्तृत दिशा–निर्देशों की विवरणिका के विमोचन के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूँ।

(बंडारू दत्तात्रेय)

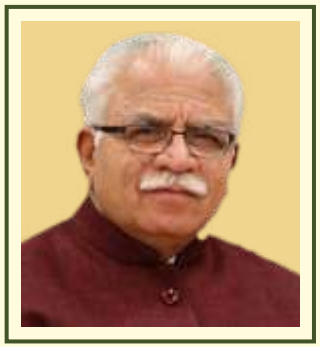

सत्यमेव जयते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा
चण्डीगढ़।

CHIEF MINISTER, HARYANA.
CHANDIGARH

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा 16 जून, 2023 को अपने सभी कॉलेजों व संस्थानों के यूजी / इंटिग्रेटिड प्रोग्राम्स में एनईपी – 2020 के क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर एक विवरणिका भी प्रकाशित की जा रही है।

हरियाणा देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 को लागू करने वाला सबसे पहला राज्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक प्रमुख लक्ष्य अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूलभूत स्तंभ समानता, सामर्थ्य और जवाबदेही है।

नई शिक्षा नीति बच्चों के समग्र विकास पर केन्द्रित है। नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य बच्चों को कुशल बनाने के साथ-साथ उनकी रूचि के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना है। नई शिक्षा नीति में शिक्षक और प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार पर भी जोर दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमता के विकास पर जोर देती है। यह नीति इस सिद्धांत पर आधारित है कि शिक्षा से न केवल साक्षरता, उच्च स्तर की तार्किक और समस्या समाधान संबंधित संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास होना चाहिए बल्कि नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी व्यक्ति का विकास होना चाहिए।

मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति व उनकी टीम को इस कार्यशाला के आयोजन हेतु तथा विवरणिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(मनोहर लाल)

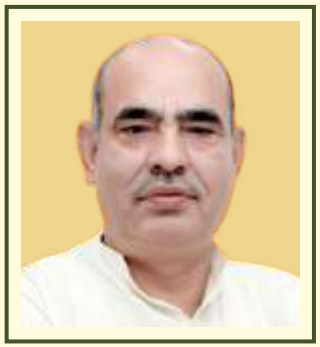

परिवहन, खान एवं भू-विज्ञान,
निर्वाचन एवं उच्चतर शिक्षा मन्त्री,
चण्डीगढ़, हरियाणा।

संदेश

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में सर्वप्रथम 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020' को अपने यूजी प्रोग्राम्स में लागू करके सराहनीय कार्य किया है। इसके साथ ही अब इस सत्र से अपने सम्बन्धित महाविद्यालयों एवं संस्थानों के यूजी प्रोग्राम्स में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करके छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020' के माध्यम से वास्तविक सोच को साकार रूप में अपनी भाषा में शिक्षा देने का प्रावधान करके अंग्रेजी की बाध्यता को समाप्त किया गया है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020' में भी मुख्य रूप से युवाओं में स्किल डेवलपमेंट, इंटर्नशिप के माध्यम से रोजगार परक शिक्षा देने की बात कही गई है। इसी के मद्देनजर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के हितों के लिए संकल्पबद्ध है।

मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, शिक्षकों व गैर-शिक्षक कर्मचारियों को बधाई देता हूँ कि उन्होंने इतने कम समय में छात्रों के हित के लिए इस शिक्षा नीति को क्रियान्वित किया है। मैं 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020' के क्रियान्वयन हेतु तैयार विस्तृत दिशा-निर्देशों की विवरणिका के विमोचन की बधाई देता हूँ।

13/6/2023

(मूल चन्द शर्मा)

अतिरिक्त मुख्य सचिव
उच्चतर शिक्षा, हरियाणा सरकार
चण्डीगढ़।

संदेश

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सम्बन्धित कॉलेजों व संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के क्रियान्वयन के शुभारंभ अवसर पर तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के क्रियान्वयन हेतु तैयार विस्तृत दिशा–निर्देशों की विवरणिका के विमोचन की बधाई देता हूँ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बनाए गए पाठ्यक्रमों को सम्बन्धित कॉलेजों व संस्थानों में इसी सत्र से लागू किया जा रहा है। यह हम सबके लिए अत्यंत हर्ष का विषय है।

अब कला, संगीत, शिल्प, खेल, योग, सामुदायिक सेवा जैसे सभी विषयों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। इस शिक्षा नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा के साथ कृषि शिक्षा, कानूनी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और तकनीकी शिक्षा जैसी व्यावसायिक शिक्षाओं को इसके दायरे में लाया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य भारत को वैश्विक स्तर पर शैक्षिक रूप से महाशक्ति बनाना तथा भारत में शिक्षा का सार्वभौमिकरण कर शिक्षा की गुणवत्ता को उच्च स्तर का करना है।

मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इस अग्रणी प्रयास के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राचार्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों को बधाई प्रेषित करता हूँ।

(आनन्द मोहन शरण, IAS)

उपाध्यक्ष
हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद्
पंचकूला।

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 को अपने संबंधित महाविद्यालयों और संस्थानों में स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रमों में इसी सत्र से क्रियान्वित करने जा रहा है तथा इस अवसर पर एक विवरणिका का विमोचन भी होगा।

मेरा यह सुनिश्चित मत है कि यह नीति आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। इस नीति के अनुसार भारत के युवाओं को अपने-अपने विषय के पाठ्यक्रमों के अध्ययन के साथ-साथ शोध, अनुसंधान, नवाचार, एंटरप्रेन्योरशिप एवं स्टार्टअप इत्यादि का ज्ञान भी पाठ्यचर्या के आवश्यक अंग के रूप में अध्ययन सामग्री में प्राप्त होगा। इससे उनकी समग्र क्षमताओं का विकास हो सकेगा अर्थात् इस नीति के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के परिसरों में पूर्णतया क्रियान्वित हो जाने से युवाओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हरियाणा प्रांत में स्नातक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशानिर्देशों को क्रियान्वित करने में पहल कर सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य किया है।

मैं इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, कुलसचिव, संकाय अध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(डॉ॰ कैलाश चंद्र शर्मा)

निदेशक एवं विशेष सचिव
उच्चतर शिक्षा हरियाणा
पंचकूला।

संदेश

हरियाणा राज्य में सर्वप्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपने पाठ्यक्रमों में लागू करके कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण कार्य किया है और इस सत्र से सभी सम्बन्धित कॉलेजों व संस्थानों के यूजी प्रोग्राम्स में भी एनईपी – 2020 को लागू किया जा रहा है जिसके लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभी शिक्षाविद् व इस अभियान से जुड़े लोग बधाई के पात्र हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020, 21वीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है जिसका लक्ष्य हमारे देश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है। यह नीति भारतीय परम्परा और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार को बरकरार रखते हुए, नई सदी की शिक्षा के लिए आकांक्षात्मक लक्ष्यों के संयोजन में शिक्षा व्यवस्था, उसके नियमन और गवर्नेंस सहित, सभी पक्षों के सुधार और पुनर्गठन का प्रस्ताव रखती है। भारतीय मूल्यों के अनुसार इस नीति का मूलमंत्र शिक्षा को समाज व सार्वजनिक सेवा से जोड़ना है।

मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों सहित शिक्षकों, प्राचार्यों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए साधुवाद देता हूँ।

(राजीव रतन, IAS)

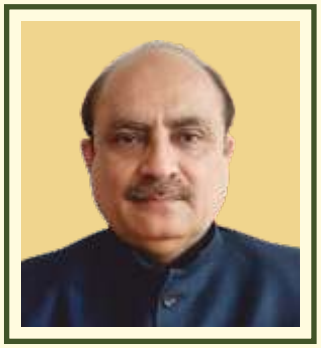

कुलपति
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र - 136119 (भारत)
(राज्य विधान सभा के एक्ट XII द्वारा 1956 से स्थापित)
(A+ ग्रेड, नैक प्रत्यायित)

संदेश

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को सत्र 2022-23 से विश्वविद्यालय कैम्पस के सभी यूजी एवं इंटिग्रेटिड प्रोग्राम्स में पूर्ण रूप से लागू कर दिया गया है और विश्वविद्यालय इस सत्र से अपने सम्बन्धित कॉलेजों व संस्थानों के यूजी प्रोग्राम्स में इस शिक्षा नीति को लागू करने जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास व चरित्र निर्माण करना, सभी छात्रों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना, रचनात्मकता और रूचि के अनुसार विषय चुनने की आजादी देना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करके शिक्षा में भी ढांचागत परिवर्तन किया जा रहा है। इस नीति में एक्जिट और एंट्री दोनों में लचीलापन है। इस नीति का उद्देश्य शिक्षित लोगों को समाज के लिए उपयोगी बनाना है ताकि वे सक्रिय होकर देश व समाज निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

मैं राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के क्रियान्वयन हेतु तैयार विस्तृत दिशा-निर्देशों की विवरणिका के विमोचन तथा सम्बन्धित कॉलेजों व संस्थानों के यूजी प्रोग्राम्स में एनईपी के क्रियान्वयन के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों, प्राचार्यों, छात्रों व कर्मचारियों को बधाई देता हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(प्रो. सोमनाथ सचदेवा)

डीन एकेडमिक अफेयर्स
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र - 136119 (भारत)
(राज्य विधान सभा के एक्ट XII द्वारा 1956 से स्थापित)
(A+ ग्रेड, नैक प्रत्यायित)

संदेश

यह गर्व एवं हर्ष का विषय है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों व संस्थानों के स्नातक कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 को सत्र 2023-24 से क्रियान्वित किया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रमों की रचना की है। ये सभी पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम रूपरेखा (CCFUP) के अनुसार प्रस्तावित किये जा रहे हैं। भारत के वर्तमान युवा वर्ग एवं आने वाली पीढ़ियों का समग्र व सर्वांगीण विकास हो, यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य है। एनईपी - 2020 लागू किए जाने वाले पाठ्यक्रम विद्यार्थी केन्द्रित होने के साथ-साथ रोजगार, कौशल विकास, मूल्य आधारित, लचीले, भारतीय ज्ञान परम्परा अनुरूप तथा वैश्विक स्तर के उन्मुखी हैं।

मैं राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के लागू किए जाने के शुभ अवसर पर तथा विवरणिका के विमोचन के लिए हरियाणा के उच्चतर शिक्षा संस्थानों के सभी हितधारकों को बधाई देता हूँ।

(अनिल वशिष्ठ)

Introduction

Higher Education significantly contributes towards sustainable livelihoods and economic development of the nation. National Education Policy (NEP)-2020 envisages the role of Higher Education in developing India as envisioned in its constitution – a democratic, just, socially conscious, cultured and humane republic. Along with imparting knowledge in the field of study, higher education must develop a student's character, ethical and constitutional values, intellectual curiosity, scientific temper, creativity, spirit of service, and twenty-first century capabilities across a range of disciplines including sciences, social sciences, arts, humanities, languages as well as professional, technical, and vocational subjects. Quality higher education must enable "personal accomplishment and enlightenment, constructive public engagement, and productive contribution to the society" and must "prepare students for more meaningful, satisfying lives, work roles and economic independence." At the societal level, higher education must enable the development of an enlightened, socially conscious, knowledgeable, and skilled nation that can find and implement robust solutions to its own problems. Higher Education is also expected to form the basis for knowledge creation and innovation thereby contributing to a growing national economy. It must represent the key to more vibrant, socially engaged, cooperative communities and a happier, cohesive, cultured, productive, innovative, progressive, and prosperous nation.

NEP-2020 aims at quality higher education to develop good, thoughtful, and creative individuals. The NEP-2020 envisages the formulation of expected learning outcomes for all higher education programmes. The NEP-2020 also mandates to impart specific skills to the students during their academic programmes, with the aim of preparing well-rounded learners with 21st century globally compatible skills by the integration of vocational education into higher education. The Policy aims at raising Gross Enrolment Ratio by making the system more flexible and encouraging life long learning.

On the above mentioned premise, Common Curriculum and Credit Framework (CCCF) for implementation at University and College level in Haryana is designed based on the recommendations of a centralised committee constituted by Department of Higher Education, Government of Haryana. The learning outcome and credit based Curriculum framework integrates the Ability Enhancement, Skill Enhancement, Value Added and Vocational components along with disciplinary and multidisciplinary courses with multiple entry exit options.

Curriculum and Credit Framework of Kurukshetra University, Kurukshetra for Under Graduate Programmes as per NEP-2020

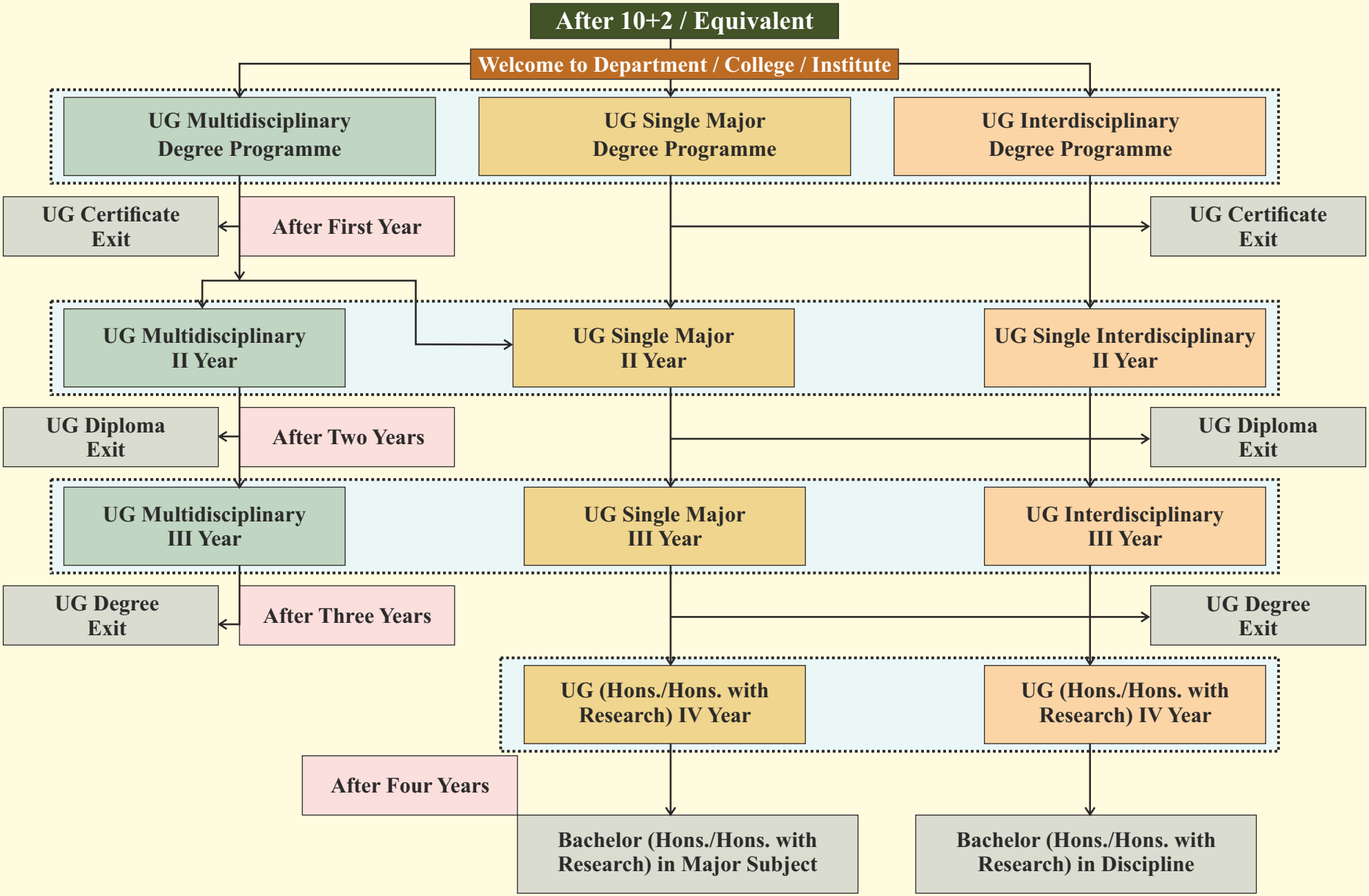

UG Programme (Multidisciplinary): Scheme A										
Semester	**Subject-1 Core Courses**	**Subject-2 Core Courses**	**Subject-3 Core Courses**	**Minor/ Vocational**	**Multidisciplinary Courses**	**Ability Enhancement Courses**	**Skill Enhancement Courses**	**Value Added Courses**	**Total Credits**	**Exit Option**
I	CC-A1 4 credit	CC-B1 4 credit	CC-C1 4 credit	CC-M1 2 credit	MDC-1 3 credit	AEC-1 2 credit	SEC-1 3 credit	VAC -1 2 credit	24	Under Graduate Certificate in Discipline with 52 credits
II	CC-A2 4 credit	CC-B2 4 credit	CC- C2 4 credit	CC-M2 2 credit	MDC-2 3 credit	AEC-2 2 credit	SEC-2 3 credit	VAC -2 2 credit	24	
Internship of 4 credits of 4-6 weeks duration after 2nd semester										
III	CC-A3 4 credit	CC-B3 4 credit	CC-C3 4 credit	CC-M3 4 credit	MDC-3 3 credit	AEC-3 2 credit	SEC-3 3 credit	--	24	Under Graduate Diploma in Discipline with 96 credits
IV	CC-A4 4 credit	CC-B4 4 credit	CC-C4 4 credit	CC-M4 (V) 4 credit	--	AEC-4 2 credit	--	VAC -3 2 credit	20	
Internship of 4 credits of 4-6 weeks duration after 4th semester (if not done after 2nd semester)										
V	CC-A5 4 credit	CC-B5 4 credit	CC-C5 4 credit	CC-M5 (V) 4 credit	--		Internship# 4 credit	--	20	Bachelor in Discipline with 132 credits
VI	CC-A6 4 credit	CC-B6 4 credit	CC-C6 4 credit	CC-M6 4 credit CC-M7 (V) 4 credit	--	--	--		20	
Credits	**Major = 72**			**Minor =24**	**MDC = 09**	**AEC = 08**	**SEC=09 Internship=04**	**VAC=06**	**Total = 132**	

 # Four credits of internship, earned by a student during summer internship after 2nd semester or 4th semester, will be taken into account in 5th semester of the students who pursue 3 year UG Programmes without taking exit option.

Credits (C), Core Courses (CC); Discipline Specific Elective Courses (DSE); Discipline Skill Enhancement Courses (DSEC); Skill Enhancement Courses (SEC); Ability Enhancement Courses (AEC); Practicum Courses (PC); Value Added Courses (VAC); Multidisciplinary Courses (MDC)

1. A student of UG Programme (Multidisciplinary) will select three subjects A, B and C in the first year out of the pool of subjects in that discipline offered by the Department/College/Institute as Major Subjects.
2. Minor subject can be offered from the same discipline and will be different from these three Major Subjects of that discipline. In case of Physical Science and Life Science disciplines, where the Minor Subject can not be offered by Department/College/Institute then the Minor Subject can be offered from either of two disciplines
3. In second year, a student will opt one of following options at the beginning of 3rd semester:

   a) Multi-disciplinary 3 Year UG Programme with 3 subjects (Scheme A)

   b) UG Programme with one Major Subject (Scheme B)

Bachelor with Major in (Subject): Scheme B

When a student opts for Single Major Subject after first year of UG Programme (Multidisciplinary)

Semester	Major Subject	Minor/ Vocational	Multidisciplinary Courses	Ability Enhancement Courses	Skill Enhancement Courses	Value Added Courses	Total Credits	Exit Option
III	MCC-A3 4 credit MCC-A4 4 credit MCC-A5 4 credit	CC-M3(V) 4 credit	MDC-3 3 credit	AEC-3 2 credit	SEC-3 3 credit	--	24	Under Graduate Diploma in Subject with 100 credits
IV	MCC-A6 4 credit MCC-A7 4 credit MCC-A8 4 credit DSE-A1 4 credit	CC-M4(V) 4 credit	--	AEC-4 2 credit	--	VAC -3 2 credit	24	
Internship of 4 credits of 4-6 weeks duration after 4th semester (if not done after 2nd semester)								
V	MCC-A9 4 credit MCC-A10 4credit DSE-A2 4 credit DSE-A3 4 credit	--	**--**		Internship# 4 credit	**--**	20	Bachelor with Major in Subject after earning136 Credits
VI	MCC-A11 4 credit MCC-A12 4 credit DSE-A4 4 credit DSE-A5 4 credit	CC-M5(V) 4 credit	**--**	**--**	**--**	--	20	
Credits	**Major = 68**	**Minor = 32***	**MDC = 09**	**AEC=08**	**SEC=09 Internship=4**	**VAC =06**	**Total=136**	

***Sixteen credits earned in two subjects studied in first year other than Major Subject opted in 2nd year will be taken into account as credits of Minor**

 # Four credits of internship, earned by a student during summer internship after 2nd semester or 4th semester, will be taken into account in 5th semester of the student who pursue 3 year UG Programme without taking exit option.

UG Programme with Single Major: Scheme C

(A student will take admission in UG Programme with Single Major Subject in the first year)

Semester	Major Subject	Minor/ Vocational	Multidisciplinary Courses	Ability Enhancement Courses	Skill Enhancement Courses	Value Added Courses	Total Credits	Exit Option
I	MCC-A1 4 credit MCC-A2 4 credit	CC-M1 4 credit	MDC-1 3 credit	AEC-1 2 credit	SEC-1 3 credit	VAC-1 2 credit	22	Under Graduate Certificate in Subjects with 48 credits
II	MCC-A3 4 credit DSEC-A1 4 credit	CC-M2 4 credit	MDC-2 3 credit	AEC-2 2 credit	SEC-2 3 credit	VAC-2 2 credit	22	
Internship of 4 credits of 4-6 weeks duration after 2nd semester								
III	MCC-A4 4 credit MCC-A5 4 credit	CC-M3 4 credit	MDC-3 3 credit	AEC-3 2 credit	SEC-3 3 credit	VAC-3 2 credit	22	Under Graduate Diploma in Subjects with 94 credits
IV	MCC-A6 4 credit MCC-A7 4 credit MCC-A8 4 credit DSE-A1 4 credit	CC-M4(V) 4 credit	--	AEC-4 2 credit	--	VAC-4 2 credit	24	
Internship of 4 credits of 4-6 weeks duration after 4th semester (if not done after 2nd semester)								
V	MCC-A9 4 credit MCC-A10 4credit DSE-A2 4 credit DSE-A3 4 credit	CC-M5(V) 4 credit	--		Internship# 4 credit	--	24	Bachelor with Major in (Subject) and Minor in (Subject) after earning136 credits
VI	MCC-A11 4 credit MCC-A12 4 credit DSE-A4 4 credit DSE-A5 4 credit	CC-M6(V) 4 credit	--	--	SEC-4 2 credit	--	22	
Credits	**Major = 72**	**Minor=24**	**MDC=09**	**AEC=08**	**SEC=11** **Internship=04**	**VAC=08**	**Total=136**	

 # Four credits of internship, earned by a student during summer internship after 2nd semester or 4th semester, will be taken into account in 5th semester of the students who pursue 3 year UG Programme without taking exit option.

A student admitted to UG with Single Major Subject will opt Minor Subject from the same discipline but different from the Single Major Subject.

UG Programme (Interdisciplinary): Scheme D										
Semester	**Subject-1 Core Courses**	**Subject-2 Core Courses**	**Subject-3 Core Courses**	**Minor/ Vocational**	**Multidisciplinary Courses**	**Ability Enhancement Courses**	**Skill Enhancement Courses**	**Value Added Courses**	**Total Credits**	**Exit Option**
I	CC-A1 4 credit	CC-B1 4 credit	CC-C1 4 credit	CC-M1 2 credit	MDC-1 3 credit	AEC-1 2 credit	SEC-1 3 credit	VAC -1 2 credit	24	Under Graduate Certificate in Discipline with 52 credits
II	CC-A2 4 credit	CC-B2 4 credit	CC- C2 4 credit	CC-M2 2 credit	MDC-2 3 credit	AEC-2 2 credit	SEC-2 3 credit	VAC -2 2 credit	24	
Internship of 4 credits of 4-6 weeks duration after 2nd semester										
III	CC-A3 4 credit	CC-B3 4 credit	CC-C3 4 credit	CC-M3 4 credit	MDC-3 3 credit	AEC-3 2 credit	SEC-3 3 credit	--	24	Under Graduate Diploma in Discipline with 96 credits
IV	CC-A4 4 credit	CC-B4 4 credit	CC-C4 4 credit	CC-M4 (V) 4 credit	--	AEC-4 2 credit	--	VAC -3 2 credit	20	
Internship of 4 credits of 4-6 weeks duration after 4th semester (if not done after 2nd semester)										
V	CC-A5 4 credit	CC-B5 4 credit	CC-C5 4 credit	CC-M5 (V) 4 credit	**--**		Internship# 4 credit	**--**	20	Bachelor in Discipline with 132 credits
VI	CC-A6 4 credit	CC-B6 4 credit	CC-C6 4 credit	CC-M6 4 credit CC-M7 (V) 4 credit	**--**	**--**	--		20	
Credits	**Major =72**			**Minor=24**	**MDC = 09**	**AEC = 08**	**SEC = 09 Internship=04**	**VAC=06**	**Total = 132**	
# Four credits of internship, earned by a student during summer internship after 2nd semester or 4th semester, will be taken into account in 5th semester of the students who pursue 3 year UG Programme without taking exit option.										

If a student has been admitted to UG Programme (Interdisciplinary), then that student will select three subjects A, B and C in the first year out of the pool of subjects in that discipline offered by the Department/College/Institute. For example; a student admitted to Bachelor of Computer Application will select three subjects out of the pool of Computer Application subjects offered in the first year of the BCA Programme.

Note:

1. Subjects (Major and Minor), DSE, DSEC, SEC, AEC, MDC and VAC courses will be offered by the Department/College/Institute depending upon its available faculty, infrastructure and time table.
2. A student will opt for Multidisciplinary Course from the subject which is different from the discipline.

   Students are not allowed to choose or repeat courses already undergone at the higher secondary level (12th class) or opted as major and minor discipline under this category. Provided further that if a Multidisciplinary Course across the discipline cannot be offered by the Department/Institute/College, due to its constraints and available resources, then

i. MDC can be opted out of MOOCs through SWAYAM

ii. MDC can be completed out of online courses offered by the Kurukshetra University

iii. MDC can be completed from a cluster college, i.e., from a neighbouring college/institute

3. A student will opt for AEC, SEC, VAC and Minor(Vocational) courses from the respective pools of courses offered by the Department/ College/Institute duly approved by the University. A Department/College/Institute can add more courses in the pools of AEC, SEC, VAC and Vocational courses with prior approval of the university.
4. For first and second semester of UG programme (Multi-disciplinary), a student can choose a Minor Course of 2 credit from the pool of minor subjects in that semester offered by the Department/College/Institute.
5. For first and second semester of UG programme with Single Major (Scheme C), a student can choose a Minor Course of 4 credit, say Subject E, out of available Core Courses of that subject E offered in that semester by Department/College/Institute.
6. From 3rd semester onwards of all three schemes, a student can choose a Minor Course, say Subject E, out of available Core Courses of that subject E offered in that semester by Department/College/Institute.
7. In the subjects/courses which involve practicum, i.e. Practical/ Laboratory/ Studio/ Project/ Survey/Field work, etc., a course of 4 credits will dedicate 3 credits for lectures and one credit for practicum and in other subjects/courses, not having practicum component, a course of 4 credits will dedicate 3 credits for lectures and 1 credit for tutorial.
8. In case of AEC of 2 credits, the entire 2 credits will be dedicated for lectures.
9. In the SEC courses of 3 credits, 2 credits will be dedicated for lectures and 1 credit for practicum. In the SEC courses of 2 credits, 1 credit will be dedicated for lecture and 1 credit for practicum and in the DSEC courses of 4 credits, 3 credits will be dedicated for lectures and 1 credit for practicum.
10. If a student takes exit after the 4th semester, then Undergraduate Diploma in Discipline will be awarded after earning 96 credits (scheme A and scheme D) including 4 credits for the internship of 4-6 weeks during the summer vacation. In case, a student takes exit after 2nd year of UG Programme with Single Major, then Undergraduate Diploma in Major Subject will be awarded after 100 credits (Scheme B) and 94 credits (Scheme C) including 4 credits for the internship of 4-6 weeks during the summer vacation.

Fourth Year

Semester	Major Subject/Discipline			Minor Subject		
	Core Courses	Discipline Specific Elective Courses	Practicum Courses	Core Courses	Total credits	Degree to be awarded
VII	CC-H1 4 Credits CC- H2 4 Credits CC-H3 4 Credits	DSE-H1 4 credit	PC-H1 4 credit	CC-HM1 4 credit	24	**Bachelor (Honours) in Major Subject/Discipline** with 184/ 180 Credits
VIII	CC-H4 4 Credits CC-H5 4 Credits CC-H6 4 Credits	DSE-H2 4 credit	PC-H2 4 credit	CC-HM2 4 credit	24	
OR						
VII	CC-H1 4 Credits CC-H2 4 Credits CC-H3 4 Credits	DSE-H1 4 credit	PC-H1 4 credit	CC-HM1 4 credit	24	**Bachelor (Honours with Research) in Major Subject/Discipline** with 184 /180 Credits
VIII	CC-H4 4 Credits CC-H5 4 Credits		Project/Dissertation 12credits	CC-HM2 4 credit	24	

Core course in Honours subject/discipline (CCH): Discipline specific elective course in Honours subject (DSE-H); Practicum Course in Honours subject /discipline (PC-H); Core Course in Minor Subject (CC-HM) of Honours Programme.

Notes:

1. 4-year UG (Honours) or (Honours with Research) in Major Subject will be offered after completion of 3 year UG programme with one Major Subject to those students who have completed at least 60 credits in the concerned Major Subject. In addition to the above, 4- year UG (Honours with Research) in Major Subject will be offered only to those students who have obtained CGPA 7.5 or more in the 3 year UG programme.
2. 4-year UG (Honours) or (Honours with Research) in Discipline will be offered after completion of 3 year UG programme (Interdisciplinary) to those students who have completed at least 60 credits in the concerned discipline. In addition to the above, 4-year UG (Honours with Research) in Discipline will be offered only to those students who have obtained CGPA 7.5 or more in the 3 year UG programme.
3. During 4th year, when the practicum course is offered as a separate course of 4 credits, then CC and DSE courses of 4 credits will dedicate 3 credits for lectures and 1 credit for tutorial.
4. The practicum may include seminar or other activities as recommended by the concerned Board of Studies in case of non-Practicum subjects. The practicum course may be replaced by a theory course wherever Board of Studies decides so.
5. Student opting for Honours with Research will work on a Research Project or do research during the eighth semester. The dissertation work will be of 12 credits. 8 credits will be earmarked for the evaluation report of the dissertation and viva-voce examination will carry weightage of 4 credits.
6. The evaluation of the Dissertation and the conduct of viva-voce examination will be done by an external examiner.
7. Bachelor degree (Honours) or (Honours with Research) will be awarded in the Major subject/discipline after successful completion of the four year programme securing 184 credits (in case of Single Major Subject Programme)/180 (in case of Interdisciplinary Programme) and satisfying the minimum credit requirement as given in the Credit Table.

Credit Table

Sr No	Broad Category of course	Minimum credits @UGC Guidelines		UG Programme Multidisciplinary Scheme A	UG Programme Scheme B		UG Programme with Single Major Scheme C		UG Programme Interdisciplinary Scheme D	
		3 year UG	4 year Hons.	3 year UG	3 year UG	4 year Hons.	3 year UG	4 year Hons.	3 year UG	4 year Hons.
1	Major Subject	60	80	72	68	108	72	112	72	112
2	Minor/Vocational Course	24	32	24	32	40	24	32	24	32
3	Multidisciplinary Course (MDC)	9	9	9	9	9	9	9	9	9
4	Ability Enhancement Course (AEC)	8	8	8	8	8	8	8	8	8
5	Skill Enhancement Course (SEC)	9	9	9	9	9	11	11	9	9
6	Value Added Course (VAC)	6-8	6-8	6	6	6	8	8	6	6
7	Internship	2-4	2-4	4	4	4	4	4	4	4
8	Research Project/ Dissertation		12			12		12		12
9	Total	120	140	132	136	184	136	184	132	180

Schemes: A = UG Multidisciplinary, B= UG Multidisciplinary to Single Major Subject, C= UG with Single Major Subject, D= UG Interdisciplinary

NEP-2020 IMPLEMENTATION CORE COMMITTEE

1.	**PROF. SOM NATH SACHDEVA** Vice-Chancellor, KUK	Patron
2.	**PROF. SANJEEV SHARMA** Registrar, KUK	Administrative Support
3.	**PROF. ANIL K. VASHISTH** Dean Academic Affairs	Nodal Officer, NEP-2020
4.	**PROF. BRAJESH SAWHNEY** Deptt. of English	Member
5.	**PROF. DINESH KUMAR** Coordinator, IQAC	Member
6.	**PROF. OMVIR SINGH** Deptt. of Geography	Member
7.	**PROF. SANJEEV GUPTA** Principal, IIHS	Member
8.	**PROF. ANITA DUA** IIHS	Member
9.	**PROF. PARMESH KUMAR** IIHS	Member
10.	**PROF. ANIL GUPTA** IIHS	Member
11.	**DR. SUMAN MAHAENDIA** Deptt. of Physics	Member

KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA

(Established by the State Legislature Act XII of 1956)

(A+ Grade, NAAC Accredited)

www.kuk.ac.in